श्री अन्न समाचार पत्र

हैदराबाद, सोलापुर, बाड़मेर, वरंगल

अंक - 265 नवंबर, 2025

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, राजेन्द्रनगर, हैदराबाद -500 030.

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के द्वारा पीएम-किसान वेबकास्ट तथा श्री अन्न जागरूकता अभियान

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद ने देशभर में पीएम-किसान की 21वीं किस्त जारी करने के माननीय प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के सीधे प्रसारण का प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पीएम-किसान योजना के महत्व का प्रसार एवं किसानों में भाकृअनुप -भाश्रीअनुसं, हैदराबाद द्वारा प्रवर्धित बेहतर खेती प्रौद्योगिकी तथा श्री अन्न आधारित हस्तक्षेपों के बारे में जागरूकता पैदा करना था। संस्थान के परिसर में माननीय प्रधानमंत्री के संबोधन का सीधा प्रसारण किया गया, जहां 300 आदिवासी और अनुसूचित जाति के किसानों ने पीएम -किसान के अंतर्गत प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से लगभग 9 करोड़ योग्य किसानों को ₹ 18,000 करोड़ जारी होते हुए देखे। माननीय प्रधानमंत्री के संदेश में किसानों के कल्याण, वित्तीय सुदृढ़ता और देश के खेती के विकास के लक्ष्यों पर बल दिया गया। डॉ. तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के द्वारा पीएम-किसान के प्रयोजन पर एक संक्षिप्त जानकारी के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। तत्पश्चात किसानों के लिए श्री अन्न की खेती की वैज्ञानिक विधियों, श्री अन्न की बेहतर किस्मों, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, कटाई उपरांत प्रौद्योगिकी एवं मूल्यवर्धित श्री अन्न उत्पादों पर एक अभिन्यास सत्र हुआ। भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के वैज्ञानिकों ने किसानों के साथ चर्चा के दौरान खेती की आय को बेहतर बनाने में उन्नत प्रौद्योगिकी, खेती आधारित उद्यमशीलता तथा श्री अन्न मूल्यवर्धन की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में बताया। संस्थागत कार्यक्रम के अलावा, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक में भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद द्वारा प्रवर्तित 30 किसान उत्पादक संगठनों (किउसं) में उक्त कार्यक्रम के सीधे प्रसारण में सहायता की, ग्रामीण स्तर पर लगभग 1500 किसानों को एकत्र किया गया तथा अपने-अपने किउसं सुविधाओं पर पीएम कार्यक्रम देखने की व्यवस्था की। किउसं ने किसान वैज्ञानिक परस्पर चर्चा, प्रौद्योगिकी प्रदर्शन एवं श्री अन्न की खेती, प्रसंस्करण तथा बाजार संपर्क पर जागरूकता गतिविधियां भी कीं ।

किसानों ने पीएम-किसान के अंतर्गत समय पर मिली वित्तीय सहायता एवं भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं तथा इसके किउसं नेटवर्क से मिली लगातार तकनीकी सहायता की सराहना की। वैज्ञानिक, तकनीकी, प्रशासनीक स्टाफ एवं संस्थान के अन्य सभी कर्मचारियों ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय रूप से भाग लिया । डॉ. सी तारा सत्यवती, डॉ. ए कलैसेकर, डॉ. संगप्पा, डॉ. ए श्रीनिवास, श्री के श्रीनिवास बाबू, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने इस कार्यक्रम का आयोजन एवं समन्वय किया।

इथेनॉल तथा सीबीजी उत्पादन पर उद्योग हितधारक के साथ एक दिवसीय कार्यशाला

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान में इंडियन फेडरेशन ऑफ़ ग्रीन एनर्जी (आईएफजीई), नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 13 नवंबर 2025 को इथेनॉल तथा कम्प्रेस्ड बायो गैस (सीबीजी) उत्पादन हेतु श्री अन्न, विशेषकर ज्वार एवं बाजरे को बढ़ावा देने पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला का उद्देश्य शोध, प्रौद्योगिकी प्रसार तथा जैव-ईंधन एवं जैव-ऊर्जा को बड़े पैमाने पर अपनाने में तेज़ी लाई जा सके। कार्यशाला में शैक्षिक संस्थानों एवं उद्योगों के लगभग 40 प्रतिनिधियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस कार्यक्रम ने शोधकर्ताओं, विशेषज्ञों तथा उद्योग हितधारकों के बीच इथेनॉल तथा कम्प्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) उत्पादनार्थ अच्छे कच्चे माल के रूप में मीठी ज्वार,उच्च जैवभार ज्वार, कम-लिग्निन तथा चार बाजरा के उपयोग पर ज्ञान विनिमय, प्रायोगिक अंतर्दृष्टि तथा चर्चा के लिए आवश्यक एक मंच के रूप में काम किया। भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के ज्वार तथा चारा बाजरा प्रायोगिक क्षेत्र के दौरे के दौरान सहभागियों को उन्नत फसल किस्मों एवं प्रौद्योगिकी के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी मिली। डॉ. ए वी उमाकांत तथा डॉ. बी अमसिद्धु ने इस कार्यशाला का समन्वय किया।

शैक्षिक दौरे

वीपीएमएस बीएन बंदोदकर कॉलेज ऑफ़ साइंस (ऑटोनॉमस), ठाणे, महाराष्ट्र के 44 छात्रों के दल ने श्री अन्न संबंधी प्रायोगिक ज्ञान प्राप्त करने के उद्देश्य से 26 नवंबर, 2025 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं का दौरा किया। उन्हें श्री अन्न खाद्य/पोषण विश्लेषण, प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन हेतु प्रयुक्त विविध विश्लेषणात्मक उपकरणों के बारे में जानकारी प्रदान की गई। डॉ. वी एम मालती, डॉ. आर वेंकटेश्वर्लू , डॉ. जे स्टेनली तथा डॉ. ए श्रीनिवास ने इस दौरे को सुकर बनाया।

कॉलेज ऑफ़ वेटरनरी साइंस पीवीएनआरटीवीयू, हैदराबाद के कुल 12 स्नातकोत्तर छात्रों ने जैव-रसायन विश्लेषण में प्रयुक्त सिद्धांतों एवं उपकरणों के बारे में ज्ञानवर्धन हेतु 13 नवंबर 2025 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं का दौरा किया। उन्होंने भाश्रीअनुसं में संचालित श्री अन्न प्रसंस्करण तथा मूल्यवर्धन गतिविधियों को समझने के लिए न्यूट्री -हब का भी दौरा किया। डॉ. आर वेंकटेश्वर्लू, डॉ. वी एम मालती, तथा डॉ. जे स्टेनली ने इस दौरे को सुकर बनाया।

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद को पौकिकृअधिसं प्राधिकरण से प्रशंसा-पत्र

Protection of Plant Varieties and Farmers' Rights Authority
Ministry of Agriculture and Farmers Welfare, Govt. of India
New Delhi-110012

PPVFRA

Certificate of Appreciation

Protection of Plant Varieties and Farmers' Rights Authority, Ministry of Agriculture and Farmers' Welfare, Govt. of India, New Delhi places on record the initiative by ICAR-Indian Institute of Millets Research, Hyderabad in registration of plant varieties with PPVFR Authority, New Delhi, during past one year, which are expected to contribute to the growth of Agriculture in the country.

(D.K. AGARWAL)
REGISTRAR GENERAL

(T. MOHAPATRA)
CHAIRPERSON

पौधा किस्म और किसान अधिकार संरक्षण प्राधिकरण, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली ने 12 नवंबर 2025 को भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद को पिछले वर्ष के दौरान पौकिकृअधिसं प्राधिकरण के साथ ज्वार तथा अन्य लघु श्री अन्न किस्मों के पंजीकरण हेतु 'प्रशंसा -पत्र' प्रदान किया। इन किस्मों के पंजीकरण से उच्च उपज युक्त किस्में अपनाकर देश में श्री अन्न खेती को बढ़ावा मिलने की आशा है।

संस्थान जैव-सुरक्षा समिति (आईबीएससी) की बैठक

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद में जैव-सुरक्षा उपायों के कार्यान्वयन पर चर्चा गेचु डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं तथा अध्यक्ष, आईबीएससी की अध्यक्षता में 12 नवंबर 2025 को नव गठित संस्थान जैव-सुरक्षा समिति (आईबीएससी) की पहली बैठक आयोजित की गई। बैठक में डॉ. वी दिनेश कुमार, प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भातिअनुसं, हैदराबाद (डीबीटी-नामांकित), डॉ. सतेंद्र कुमार मंगरौठिया, प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाचाअनुसं, हैदराबाद (बाह्य विशेषज्ञ), डॉ. नुजहत फातिमा (जैव-सुरक्षा अधिकारी), डॉ. जिनु जेकब, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद (सदस्य सचिव) तथा डॉ. डी बालकृष्ण, डॉ. बी वेंकटेश भट, डॉ. पी राजेंद्रकुमार (आंतरिक विशेषज्ञ, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद) शामिल थे। समिति ने भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं में कार्यान्वित किए जाने वाले जीनोम संपादन अनुसंधान परियोजना के जैव-सुरक्षा अनुपालन की समीक्षा की तथा उपयुक्त पाया और जैव-प्रौद्योगिकी विभाग के दिशा-निर्देशों का पालन किया जा रहा है।

कोरापुट, ओडिशा में श्री अन्न पर सहभागी किस्म चयन सह प्रक्षेत्र दिवस

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद तथा कृषि एवं किसान सशक्तिकरण विभाग, ओडिशा ने 27 नवंबर, 2025 को कुंद्रा ब्लॉक, कोरापुट, ओडिशा में "किसान सहभागी किस्म चयन सह श्री अन्न प्रक्षेत्र दिवस" का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों के स्वदेसी ज्ञान को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से जोड़ना, ताकि वर्षा आधारित आदिवासी क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर प्रयुक्त बेहतर श्रेष्ठ किस्मों की पहचान और उनका अंगीकरण बढ़ाना था। उक्त कार्यक्र म हेतु कुंद्रा, कोरापुट में कृषक कार्य प्रणालियों (कम/बिना किसी बाहरी आगत) के अंतर्गत 40 पारंपरिक एवं राष्ट्रीय स्तर पर लोकार्पित रागी किस्मों के एक समूह की खेती की गई। डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के मार्गदर्शन में श्री श्रीनिवास बाबू, डॉ. गणपति के एन, डॉ. सूगण्ण, डॉ. संगप्पा - भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के वैज्ञानिक दल, और वासन (श्री बिस्वा), एमएसएसआरएफ ने किसान सहभागी रागी में किस्म चयन को सुकर बनाया तथा प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम में महिला किसान सहित कुल 50 आदिवासी किसानों ने भाग लिया। किसान-वैज्ञानिकों के बीच परस्पर संवाद सत्र रखा गया, जहां किसानों को श्री अन्न में बेहतर उत्पादन प्रौद्योगिकी, प्रसंस्करण ए वं मूल्यवर्धन प्रौद्योगिकी के बारे में जानकारी दी गई।

संविधान दिवस

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद ने 26 नवंबर, 2025 को "संविधान दिवस" मनाया। इस अवसर पर डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती, निदेशक ने सभी कार्मिकों एवं छात्रों को संविधान दिवस की शपथ दिलाई। जो संविधान में

दिए गए सिद्धांतों एवं मूल्यों को बनाए रखने हेतु उनकी सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के सोलापुर, महाराष्ट्र (रबी ज्वार केंद्र) तथा गुड़ामालानी, बाड़मेर, राजस्थान (बाजरे पर क्षेअनुकें) में भी संविधान दिवस मनाया गया, तथा शपथ ली गई एवं विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए।

वंदे मातरम के 150 पूर्ण होने पर स्मरणोत्सव

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद ने शुभारंभ सप्ताह (7-14 नवंबर 2025) के दौरान आयोजित विविध गतिविधियों की शृंखला के माध्यम से राष्ट्रीय गीत "वंदे मातरम" के 150 वर्ष पूरे पर स्मरणोत्सव मनाया।

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के प्रशासनिक भवन के सभागार में 7 नवंबर 2025 को "वंदे मातरम" के सामूहिक गायन के साथ आधिकारिक रूप से कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। डॉ. श्याम प्रसाद, प्रभारी निदेशक ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया तथा इस गीत के ऐतिहासिक एवं राष्ट्रीय महत्व पर बल दिया। वैज्ञानिक, तकनीकी, प्रशासनिक, सहायक कर्मचारी, शोध अध्येता तथा परियोजना कार्मिकों सहित कुल 73 सरभागियों ने भाग लिया।

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के सोलापुर, महाराष्ट्र (रबी ज्वार केंद्र) तथा गुड़ामालानी, बाड़मेर, राजस्थान (बाजरे पर क्षेअनुकें) में भी इसी तरह के सामूहिक गायन कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें सभी वर्ग के कार्मिकों ने संपूर्ण उत्साह के साथ भाग लिया। एक सप्ताह चले इस कार्यक्रम ने देशभक्ति की भावना, सांस्कृतिक गौरव एवं सामूहिक सहभागिता को बढ़ावा दिया।

जनजातीय गौरव वर्ष पखवाड़ा-2025 के दौरान आदिवासी किउसं के माध्यम से आदिवासियों की उन्नति

संपूर्ण देश में 1 - 15 नवंबर 2025 के दौरान जनजातीय गौरव वर्ष पखवाड़ा मनाया गया तथा इसके अंतर्गत भारतभर में आदिवासी समुदायों की समृद्ध विरासत एवं योगदान का महोत्सव मनाया गया। इस वर्ष भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर उनका स्मरण करते हुए एक सम्मानित आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी एवं समाज सुधारक के रूप में उनकी विरासत का सम्मान किया गया। आदिवासी पहचान, सम्मान एवं सशक्तिकरण को सुदृढ़ करने हेतु समर्पित 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर उक्त पखवाड़ा समारोह का समापन हुआ। राष्ट्रीय पहल के भाग के रूप में, भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान तथा भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद द्वारा प्रवर्तित उत्तर तटीय आंध्र प्रदेश किउसं ने सामाजिक-आर्थिक विकास, शिक्षा, कौशल विकास, आजीविका में सुधार, उद्यशीलता प्रोत्साहन, स्वास्थ्य एवं पोषण जागरूकता, संस्कृति तथा विरासत संरक्षण, ढांचागत संरचना में सुधार, सुशासन, डिजिटल समावेशन तथा सतत विकास पर केंद्रित दैनिक गतिविधियों के आयोजन में सक्रिय रूप से भाग लिया। इन कार्यक्रमों में आदिवासी क्षेत्रों में लोक -संपर्क, आदिवासी उत्पादों की ब्रांडिंग, आदिवासी किसानों के लिए सीधे बाजार तक पहुंच को बढ़ावा देना तथा दे सी फसलों के संरक्षण हेतु बीज संग्रहन भी शामिल था। डॉ. संगप्पा, वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा प्रधान अन्वेषक, किउसं परियोजना, श्री के श्रीनिवास बाबू, वैज्ञानिक एवं डॉ. रफी (कृषि व्यवसाय विशेषज्ञ), सुश्री मेघना, किउसं -नेस्ट ने आदिवासी किउसं को इन गतिविधियों के उत्तम ढंग से आयोजन हेतु मार्गदर्शन किया। इन प्रयासों से, किउसं ने आदिवासी किसानों को श्री अन्न खेती के बेहतर तरीके अपनाने, मिलकर कार्य करने तथा सतत आजीविका हेतु प्रसंस्करण एवं उद्यमशीलता के लिए प्रोत्साहित किया।

गिरिजन बाजार के माध्यम से परीक्षण आजीविका की नई राह

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान (भाश्रीअनुसं) हैदराबाद की मोबाइल विपणन एकक, गिरिजना बाज़ार का शुभारंभ जनजातीय किसान उत्पादक संगठन (किउसं) उत्पादों हेतु बाजार पहुंच बढ़ाने की एक नई पहल है। डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने संस्थान के कार्मिकों एवं किसान उत्पाद संगठन के सदस्यों की उपस्थिति में 12 नवंबर 2025 को इस एकक का उद्घाटन किया। डॉ. संगप्पा, वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा प्रधान अन्वेषक, किउसं परियोजना, श्री के श्रीनिवास बाबू, वैज्ञानिक तथा डॉ. रफी, कृषि व्यवसाय विशेषज्ञ ने जनजातीय किसानों को शहरी उपभोक्ताओं से जोड़ने हेतु इस नवीन पहल का नेतृत्व किया। श्री साई प्रशांत, श्रीमती चांदिनी, सुश्री मेघना, श्री शिवा तथा किउसं-नेस्ट दल ने आदिवासी किउसं सदस्यों को मोबाइल सेवाओं की उपयोग पद्धति से अवगत कराया। मोबाइल एकक ने पोषण से भरपूर कई तरह के श्री अन्न, आदिवासी उत्पाद एवं अन्य सांस्कृतिक एवं पारंपरिक फलों के प्रदर्शन व उन्हें बेचने हेतु अद्वितीय रूप से कार्य किया है। डॉ. संगप्पा ने बताया कि

गिरिजन बाजार का प्रयोजन हैदराबाद के बढ़ते शहरी बाजारों में प्राकृतिक रूप से उपलब्ध आदिवासी उत्पादों को प्रस्तुत करना, ताकि कि सानों को बेहतर दृश्यता एवं आय मिल सके।

श्री अन्न खेती में नेतृत्व हेतु डॉ. संगप्पा, वैज्ञानिक को युवा वैज्ञानिक पुरस्कार

डॉ. संगप्पा, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भाश्रीअनुसं को विस्तार शिक्षा संस्था आगरा ने ओडिशा के भुवनेश्वर में दूसरे इंटरनेशनल एक्सटेंशन एजुकेशन कांग्रेस के दौरान **"यंग साइंटिस्ट अवार्ड"** से सम्मानित किया। यह सम्मान श्री अन्न परितंत्र **कू** आगे बढ़ाने तथा संपूर्ण भारत में आदिवासी व छोटे किसानों को मज़बूत बनाने वाले समूह -आधारित उद्यमों को सहायता करने में उनके योगदान को दर्शाता है।

श्री अन्न तथा महिला किसान 2025 पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, भुवनेश्वर

कृषि एवं किसान सशक्तिकरण विभाग, ओडिशा सरकार ने भुवनेश्वर में 10-11 नवंबर 2025 को "कृषि विरासत में महिलाओं की भूमिका और कृषि जैव -विविधता का संरक्षण" विषय पर श्री अन्न और महिला किसान 2025 (आईएसएसडब्ल्यूएफ) पर अंतर्राष्ट्रीय परिसंवाद का आयोजन किया।

ओडिशा श्री अन्न अभियान के लिए भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान तकनीकी साझेदार है। परिसंवाद के साथ-साथ श्री अन्न मूल्यवर्धित उत्पाद, पारंपरिक बीज जैव -विविधता, प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी, महिलाओं के नेतृत्व वाले स्वयं सहायता समूह उद्यमों, किउसं पहलों एवं स्टार्ट -अप नवोन्मेष दर्शाती प्रदर्शनी भी लगाई गई। श्री के श्रीनिवास बाबू तथा डॉ. संगप्पा, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भाकृअनुप–भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने प्रदर्शनी स्टाल का समन्वय किया। इस प्रदर्शनी ने काफी ध्यान आकृष्ट किया तथा श्री मोहन चरण माझी, ओडिशा के माननीय मुख्यमंत्री, श्री शिवराज सिह चौहान, माननीय केंद्रीय कृषि मंत्री, डॉ. हरि बाबू कंभमपति, ओडिशा के माननीय राज्यपाल और श्री कनक वर्धन सिह देव और श्रीमती पार्वती परिदा, राज्य के माननीय उप मुख्य मंत्रियों सहित कई अन्य गणमान्य लोगों ने संस्थान के स्टाल का अवलोकन किया। नेताओं ने स्टॉल पर प्रदर्शित नवोन्मेष, प्रयासों एवं सामूदायिक साझेदारी की सराहना की, विशेषकर ओडिशा की श्री अन्न क्रांति को आकार देने में महिला किसानों तथा ज़मीनी स्तर के समूह की सुदृढ़ भू मिका को महत्वपूर्ण बताया। उनके दौरे श्री अन्न हेतु राष्ट्रीय रुझान को दर्शाते हैं तथा श्री अन्न -आधारित विकास, पोषण सुरक्षा एवं जलवायु लचीली कृषि में ओडिशा की आग्रमी स्थिति की पुष्टि करते हैं।

महर्षि पर तकनीकी सत्र

ओडिशा में श्री अन्न और महिला किसान 2025 पर अंतर्राष्ट्रीय परिसंवाद के साथ, महर्षि सचिवालय ने "महर्षि (एक जी20 आउटकम): श्री अन्न की मूल्य शृंखला संभावित उपयोग" पर एक तकनीकी सत्र का आयोजन किया। इस सत्र में डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं; डॉ. अरबिद कुमार पाढ़ी, प्रधान स चिव, कृषि एवं किसान सशक्तिकरण विभाग, ओडिशा सरकार; डॉ. सुनीता नारायण , महानिदेशक, विज्ञान एवं पर्यावरण केंद्र (सीएसई); डॉ. सौम्या स्वामीनाथन , पूर्व चीफ वैज्ञानिक, डब्ल्यूएचओ और अध्यक्ष एमएस स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन (एमएसएसआरएफ); और डॉ. यवोन पिटो, महानिदेशक, अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधा न संस्थान (आईआरआरआई) शामिल विशेषज्ञों ने भाग लिया।

पैनल चर्चा के परिणास्वरूप श्री अन्न की मूल्य शृंखला को सुदृढ़ करने के लिए एक साथ, संपूर्ण समाज का एक दृष्टिकोण अपेक्षित है, जिसमें महिला उद्यमियों को प्रसंस्करण व विपणन विकास में सबसे आगे रखा जाए। इसे ध्यान में रखते हुए कि किसानों व भूमि दोनों के रक्षक, जलवायु लचीले, कम लागत वाले एवं पारि स्थितिक संतुलित खेती प्रणाली की ओर परिवर्तन की शीघ्र आवश्यकता है। चर्चा का सार यह है कि गांवों में रोज़गार पैदा करने, आय बढ़ाने, कटाई उपरांत क्षति को कम करने तथा लैंगिक समानता के लिए विकेंद्रिकृत, मूल्य-वर्धित कृषि प्रणाली के विकास की आवश्यकता है।

नव कार्यभार ग्रहण

डॉ. सोमनाथ नायक, वैज्ञानिक (सस्य विज्ञान) ने भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय बाजरा अनुसंधान केंद्र, गुड़ामालानी, बाड़मेर, राजस्थान में 28 अक्टूबर 2025 (पूर्वाह्न) कार्यभार ग्रहण किया। डॉ. नायक के द्वारा कार्यभार ग्रहण करने से सस्य वैज्ञानिक अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों, विशेषकर सूखे व अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में बाजरा सुधार तथा सतत बाजरा -आधारित कृषि प्रणाली क्षेत्र में के सुदृढ़ होने की आशा है। *श्री अन्न परिवार डॉ. सोमनाथ नायक का हार्दिक स्वागत करता है।*

सम्मान

डॉ. पी जी पद्मजा को श्री अन्न फसलों के कीट -पीड़कों की जैव-पारिस्थितिकी तथा उनके प्रबंधन, विशेष रूप से परपोषी पौधे प्रतिरोध के संदर्भ पर उनके उत्कृष्ट अनुसंधान योगदान के लिए डॉ. बी वसंतराज डेविड पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित सम्मान उन्हें एप्लाइड जूलॉजिस्ट्स रिसर्च एसोसिएशन (एजेडआरए) द्वारा 12 नवंबर 2025 को ओडिशा के भुवनेश्वर में आयोजित "एनवायरनमेंटल शिफ्ट : इम्पेक्ट ऑन एनिमल बायोटा, फूड, फीड, न्यूट्रिशनल सिक्योरिटी और ह्यूमन हेल्थ " विषय पर XIX एजेडआरए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान दिया गया।

समझौते ज्ञापन

समझौता तिथि	अन्य पक्ष/ लाइसेंसधारी	समझौते ज्ञापन / करार ज्ञापन का प्रयोजन	हस्ताक्षरकर्ता प्राधिकरण		साक्ष्य
			भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं	अन्य पक्ष	
03 नवंबर, 25	एल्डोरैडो एग्रीटेक लिमिटेड, हैदराबाद	बहु-कट चारा ज्वार संकर सीएसएच 24 एमएफ हेतु लाइसेंस	डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक	डॉ. लिगा श्रीनिवास राव, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	डॉ. अमसिद्ध बी
03 नवंबर, 25	संगम मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड, आंध्र प्रदेश	5 श्री अन्न मूल्य वर्धित प्रौद्योगिकियों जैसे रागी कुकीज़, ज्वार मफिन, रागी मफिन, ज्वार इंस्टेंट इडली मिश्रण तथा एवं बहु श्री अन्न इडली मिश्रण हेतु लाइसेंस	डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक	श्री पी गोपालकृष्णन, प्रबंध निदेशक	डॉ. जे स्टेनली
03 नवंबर, 25	कावेरी विश्वविद्यालय, हैदराबाद	सहयोगात्मक अनुसंधान	डॉ. सी तारा सत्यवती , निदेशक	डॉ. वी. प्रवीण राव, कुलपति	डॉ. अमसिद्ध बी
19 नवंबर, 25	सोसाइटी फॉर एलिमिनेशन ऑफ रूरल पॉवर्टी, तेलंगाना सरकार	13 श्री अन्न मूल्य वर्धित प्रौद्योगिकियों जैसे ज्वार इंस्टेंट इडली मिश्रण, रागी प्रीमियम काजू कुकीज, ज्वार इंस्टेंट उपमा मिश्रण, रागी डिलाइट बार (नट), ज्वार इंस्टेंट पोंगल मिश्रण, रागी मफिन, कुटकी इंस्टेंट डोसा मिश्रण, ज्वार मुरमुरा, ज्वार इंस्टेंट खिचड़ी मिश्रण, ज्वार नमकीन / चिवड़ा, ज्वार सेंवई, ज्वार पास्ता, रागी की रोटी हेतु लाइसेंस	डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक	श्री पी.डब्लू. जॉनसन, निदेशक	डॉ. जे स्टेनली
19 नवंबर, 25	हैप्पीसन फूड्स प्राइवेट लिमिटेड, असम	4 श्री अन्न मूल्य वर्धित प्रौद्योगिकियों जैसे नमकीन / चिवड़ा, ज्वार एक्सट्रूडेड स्नैक्स, ज्वार मुरमुरा, ज्वार इंस्टेंट खिचड़ी मिश्रण हेतु लाइसेंस	डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक	श्री उज्जल बरुआ, मैनेजिंग पार्टनर	डॉ. अमसिद्ध बी
24 नवंबर, 25	टेम्पल ग्रेन्स एंड वेलनेस प्राइवेट लिमिटेड, तमिलनाडु	5 श्री अन्न मूल्य वर्धित प्रौद्योगिकियों अर्थात ज्वार इंस्टेंट इडली मिश्रण, ज्वार सेंवई, रागी पास्ता, बहु श्री अन्न रवा, रागी नट डिलाइट बार हेतु लाइसेंस	डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक	सुश्री सुब्रमण्यम रश्मि, निदेशक/संस्थापक	डॉ. जे स्टेनली

बैठकों/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं/सम्मेलनों आदि में सहभागिता

नाम	तिथि	आयोजक	विवरण	प्रकार	विधि
डॉ. संगप्पा तथा श्रीमती मोनालिशा	07 नवंबर 2025	एटीएमए पुणे तथा भाकृअनुप -भाश्रीअनुसं, हैदराबाद	श्री अन्न मूल्य संवर्धन और खेती के तरीकों के संबंध में जागरूकता	ज्ञानवर्धन दौरा सह जागरूकता कार्यक्रम	प्रत्यक्ष
डॉ. संगप्पा, श्री अब्बूसेठ तथा श्री अनूप	10 नवंबर 2025	आईएसएपी इंडिया फाउंडेशन तथा भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद	कर्नाटक किउसं के लिए उन्नत बाजरा प्राथमिक प्रसंस्करण तकनीकों का अनुकूलन	ज्ञानवर्धन दौरा	प्रत्यक्ष
डॉ. संगप्पा तथा श्रीमती मोनालिशा	24 नवंबर 2025	भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद	श्री अन्न उत्पादन, प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन में नवीनतम प्रगति	प्रशिक्षण कार्यक्रम	प्रत्यक्ष
डॉ. संगप्पा	26 नवंबर 2025	भाकृअनुप-बीसीटी-केवीके तथा भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद	थंडवा घाटी एफपीओ के एससी किसानों को आगत वितरण	कार्यशाला	प्रत्यक्ष

बैठक/संगोष्ठी/कार्यशाला/सम्मेलन आदि में भागीदारी

नाम	शीर्षक (अगर प्रपत्रादि प्रस्तुत किया गया है तो शीर्षक बताएं)	आयोजक	स्थल	ऑनलाइन / प्रत्यक्ष	तिथि
डॉ संतोष कुमार गुप्ता	उभरते विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार सम्मेलन (ईएसटीआईसी-2025 सीनियर एस व टी प्रमुख (45 वर्ष से ज़्यादा) के वर्ग में)	डीएसटी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत सरकार	भारत मंडपम, नई दिल्ली	प्रत्यक्ष	03-05 नवंबर, 2025
डॉ. सी तारा सत्यवती	"कंगनी एवं कुटकी उत्पादन प्रौद्योगिकियां और मूल्य शृंखला विकास" पर प्रशिक्षण	एफएओ परियोजना (टीसीपी/आरएएस/3909) के अंतर्गत खाद्य और कृषि संगठन, नई दिल्ली	वघई सेंटर, नवसारी कृषि विश्वविद्यालय, सूरत.	ऑनलाइन	04 नवंबर, 2025
डॉ. सी तारा सत्यवती	श्री अन्न सुधार हेतु अभिनव दृष्टिकोण पर राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएएमआई 2025)	कृषि विज्ञान संस्थान, बहिविवि, वाराणसी	शताब्दी कृषि प्रेक्षागृह, बहिविवि, वाराणसी	प्रत्यक्ष	07 नवंबर, 2025
डॉ संतोष कुमार गुप्ता	"रीड्स से लेकर खुलासो तक: ट्रांसक्रिप्टोम डेटा डिकोडेड" पर ट्रेनिग प्रोग्राम	भाकृअनुप-राकृअनुप्रअ, हैदराबाद	भाकृअनुप-राकृअनुप्रअ, हैदराबाद	प्रत्यक्ष	10–14 नवंबर, 2025
डॉ. सी तारा सत्यवती	श्री अन्न एवं महिला किसान 2025 पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी	ओडिशा सरकार, भुवनेश्वर	लोक सेवा भवन कन्वेंशन सेंटर, भुवनेश्वर, ओडिशा	प्रत्यक्ष	10 नवंबर, 2025
डॉ. सी तारा सत्यवती	अर्थ सम्मेलन 2025-26 के दौरान "महिलाओ के नेतृत्व में ग्रामीण नलोन्मेष तथा उद्यमशीलता" पर पैनल चर्चा – कृषि, ग्रामीण तकनीक और मानवता को सशक्त बनाना	नाबार्ड और इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आईएएमएआई)	हायटेक एग्जीबिशन सेंटर, हैदराबाद	प्रत्यक्ष	21 नवंबर, 2025
डॉ. सी तारा सत्यवती, सूगण्ण	प्रोजतेकृविवि, हैदराबाद द्वारा ड्राफ्ट सीड्स बिल, 2025 पर राज्य-स्तरीय सलाहकार बैठक	प्रोजतेकृविवि , हैदराबाद	ऑडिटोरियम, विस्तार शिक्षा संस्थान	-	28 नवंबर, 2-05
डॉ. सूगण्ण	बीज विधेयक 2025 पर परिप्रेक्ष्य पर वेबिनार	एटीपीबीआर ने बीड उबर एवं एआईएच के संयुक्त तत्वावधान में	-	ऑनलाइन	29 नवंबर, 2025

श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केन्द्र

भाकृअनुप - भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान

बाजरा, ज्वार तथा लघु श्री अन्न पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना

राजेन्द्रनगर, हैदराबाद-500053

दूरभाष : 040-24599300 ई-मेल : millets.icar@nic.in वेबसाइट : www.millets.res.in

संकलन एवं संपादन

डॉ. महेश कुमार, डॉ. जिनु जेकब तथा डॉ. वी वेंकटेश भट

फोटो, अभिकल्पना तथा रूपरेखा

एच एस गावली

प्रकाशक एवं मुख्य संपादक

निदेशक, भाकृअनुप – भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान

रबी ज्वार अनुसंधान केंद्र (भाश्रीअनुसं)
राष्ट्रीय राजमार्ग-9, बायपास, शेल्गी,
सोलापुर-413006 (महाराष्ट्र)
दूरभाष : 0217-2373456 फैक्स : 0217-2373456
ई-मेल : solapur@millets.res.in
वेबसाइट : www.millets.res.in

ज्वार गैर-मौसमी पौधशाला (भाश्रीअनुसं)
प्रभारी अधिकारी,
भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, आरएआरएस
(पीजेटीएसएयू) मुलुगू रोड़. वरंगल

क्षेत्रीय बाजरा अनुसंधान केंद्र (भाश्रीअनुसं)
गुड़ामालानी, बाड़मेर, राजस्थान
ई-मेल : barmer@millets.res.in